:: प्रतिभा परिचय ::

नाम पिता का नाम जन्मतिथि जन्मस्थान शिक्षा रूचि पेशा राजकीय सेवा में पद विभाग का नाम	धनराज साहू स्व. श्री मोहनलाल साहू 13 अप्रेल 1969 (धनतेरस) टोंक बी.कॉम सिंगिंग राजकीय सेवा निजी सहायक-प्रथम कार्यालय लोक अभियोजक जिला एवं सेशन न्यायालय, टोंक	

13 अप्रेल वर्ष 1969 में टोंक शहर में श्री मोहनलाल साहू व श्रीमती कान्हीदेवी को धनतेरस के पावन पर्व पर पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई, पूरे परिवार में खुशी की लहर दौड़ गई, क्योंकि धनतेरस के पावन पर्व पर पुत्र रत्न की प्राप्ति किसी सौभाग्य से कम नहीं था। इसी को ध्यान में रखते हुए माता-पिता ने प्रसिद्ध विद्वान पण्डित एवं संतों की शरण ली एवं उचित नामकरण का आग्रह किया एवं संतों ने आशीर्वाद देते हुए कहा कि जन्म लेने वाला यह बालक बहुत प्रतिभाशाली होगा, अपनी प्रतिभा से सभी के दिलों में राज करेगा। संतों द्वारा प्रकट किये गये विचारों एवं उन्हीं की सलाह पर "धनराज" नाम रखा गया।

वर्ष 1990 में बी.कॉम करने के पश्चात् सर्वप्रथम 1991 में बालिका शिक्षा के लिए विश्वप्रसिद्ध ख्याति प्राप्त वनस्थली विद्यापीठ में क्लर्क की लगभग ढाई वर्ष की सेवा के पश्चात् 1993 में राज्य सेवा अर्थात ज्युडिशियरी में क्लर्क के पद पर सेवारत रहने के दौरान ही राजस्थान लोक सेवा आयोग परीक्षा में चयनित होकर स्टेनोग्राफर के पद पर कार्यालय लोक अभियोजक जिला एवं सेशन न्यायालय, टोंक में कार्यग्रहण किया। इस प्रकार राजकीय सरकारी सेवा में प्रवेश हुआ।

राजकीय सेवा में विशेष उपलब्धि
कार्य कुशलता एवं पूर्ण ईमानदारी निष्ठा से राजकीय कार्य निष्पादन करने की दक्षता एवं क्षमता को दृष्टिगत रखते हुए कार्यालय जिला कलक्टर, टोंक में लगभग 13 वर्ष तक विभिन्न जिला कलक्टर्स द्वारा स्वयं के अधीन निजी शाखा में इनको निजी सहायक पद पर पदस्थापित किया गया। इस अवधि में इनके द्वारा किये गये उत्कृष्ट कार्य सम्पादन के आधार पर अनेक बार जिला स्तरीय समारोह में सम्मानित किया गया।

राजकीय सेवा के साथ ही गायन प्रतिभा के धनी "धनराज"
बचपन से ही गायन में रूचि रही। चूंकि पिताजी भी भजन गाने के शौकीन थे शायद इसी वजह से भी इनकी गायन में रूचि बढती गयी। मात्र 10 साल की उम्र में ही मो. रफ़ी साहब की आवाज़ इन्हें सर्वाधिक आकर्षित करने लगी। इन्होंने उन्हें अपना आदर्श मानकर अपने भीतर आत्मसात ही कर लिया। रफ़ी साहब के गानों से इतनी मोहब्बत होने लगी कि कई बार उनके गानों पर रोना ही आ जाता।

गायन का यह जुनून बढता ही गया। आगे चलकर विभिन्न कार्यक्रमों में लोग इन्हें गायन के लिए आमंत्रित करने लगे जहां ये रफ़ी साहब के साथ ही किशोर कुमार, मुकेश, मन्नाडे, महेंद्रकपूर, हेमन्त कुमार, तलत महमूद, सुरेश वाडेकर, कुमार शानू, उदित नारायण, से लेकर के.के., आतिफ असलम, अरिजीत सिंह के द्वारा गाये अधिकतर गानों को हुबहू गाने लगे। साथ ही गज़लो में जगजीत सिंह, गुलाम अली, मेहंदी हसन, पंकज उधास आदि की कुछ खूबसूरत गज़लो को भी पूरी तन्मयता से पेश कर करते रहे हैं।

गायन में उल्लेखनीय उपलब्धियां
विदेश में आयोजित किसी विशेष प्रोग्राम में भी एक बार गाना गाने का अवसर मिला। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर गायन की शानदार प्रस्तुति के बाद इनकी लोकप्रियता बढ गई।

लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिड़ला की पुत्री की शादी के रिसेप्शन में एक लाख से अधिक लोगो के सम्मुख सिंगिंग प्रोग्राम अपने पुत्र मोहित व भतीजे ललित सहित पेश किया जिस पर बिड़ला साहब के साथ ही उपस्थित सभी अतिथियों ने भरपूर सराहना कर आशीर्वाद दिया।

दुरदर्शन के सुप्रसिद्ध कार्यक्रम धरती धोरा री के एपिसोड में टोंक जिले की प्रथम प्रतिभा के रूप में आमंत्रित किया गया जिसमे वर्सेटाइल गायकी का परिचय देकर जिले का नाम रोशन किया। इसके साथ ही मुंबई, दिल्ली, नागपुर, इंदौर, अमरावती, गौहाटी, अहमदाबाद, सागर, झाँसी, गुडगांव, मथुरा,वृन्दावन, आदि सहित राजस्थान के जयपुर, जोधपुर, उदयपुर, अजमेर, कोटा, बूंदी, सीकर, झुंझुनू, नागौर, दौसा, सवाई माधोपुर, राजसमंद, ब्यावर, माउंट आबू, टोंक आदि शहरो में अनेक बार सिंगिंग शो कर चुके हैं।

दैनिक भास्कर द्वारा आयोजित्त हुनरबाज़ प्रतियोगिता में उपविजेता ख़िताब व एक बाइक जीतकर टांेक जिले का नाम रोशन किया।
राजस्थानी फिल्म लाडली में दो गानों का पार्श्वगायन किया।
कोटा के सुप्रसिद्ध दशहरे मेले, जयपुर के रवीन्द्र मंच, बिड़ला ऑडिटोरियम, महाराणा प्रताप ऑडिटोरियम सहित बड़े बड़े स्तरीय मंचो पर अपने सिंगिंग प्रोग्राम पेश कर चुके हैं।
कोरोना काल में वर्ष 2021 में लॉकडाउन के दौरान लोगो को घर बैठे मनोरंजन करने हेतु प्रतिदिन शाम 8 बजे दो घन्टे फेसबुक पर सतरंगी सांग्स एपिसोड के नाम से लाइव सिंगिंग के कुल 111 एपिसोड पेश किये गए जिनकी खूब सराहना की गई।
गायन में परिवार का साथ

दोनों पुत्र मोहित साहू व सुमित साहू व छोटे भाई शिवराज साहू व भतीजे ललित व रिषभ साहू सहयोग करते हैं। वे भी सिंगर है व सिंगिंग शो करते हैं।

धर्मपत्नी श्रीमती नंदिनी साहू का इन्हें प्रत्येक कदम पर पूरा सहयोग रहा है, धर्मपत्नी ने गायन के इनके जूनून का आदर करते हुए इन्हें अधिक से अधिक प्रोत्साहन दिया।

गायन में सफलता का श्रेय
गायन क्षेत्र में मिल रही अपार सफलता का पूरा श्रेय इष्टदेव गणेशजी महाराज, माता-पिता, धर्मपत्नी, परिवार, मित्रों, शुभचिंतको को देते हैं। इन सभी के सहयोग के बिना इतनी सफलता मिलना संभव था।